

शिक्षा तथा समाज में सम्बन्ध (Relation between Education and Society)

समाज और शिक्षा एक-दूसरे से जुड़े हैं। स्वाभाविक है कि ये एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। शिक्षा के समाज पर तथा समाज के शिक्षा पर विभिन्न प्रभाव पड़ते हैं। दोनों के प्रभाव को समझने के लिए शिक्षा तथा समाज को अलग-अलग करके दोनों के एक-दूसरे पर पड़ने वाले प्रभाव को समझना आवश्यक है।

समाज का शिक्षा पर प्रभाव (Impact of Society on Education)

(1) भौगोलिक स्थिति (Geographical Condition)—बाढ़, तूफान, महामारी।

(i) अनुकूल परिस्थितियाँ—शिक्षा के लिए समय पर्याप्त मात्रा में।

(ii) प्रतिकूल परिस्थितियाँ—शिक्षा के लिए कोई समय नहीं।

(2) सामाजिक ढाँचा (Social Structure)—

(i) जाति प्रथा—किसी विशेष वर्ग के लिए शिक्षा।

(ii) जाति प्रथा नहीं—सभी वर्गों के लिए समान शिक्षा।

(3) संस्कृति (Culture)—

(i) धर्म

(ii) साहित्य

(iii) भाषा

(iv) दर्शन

(v) रहने का ढंग

(vi) व्यवहार के प्रतिमान

उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रम के निर्धारण में विशेष भूमिका निभाते हैं। कोई भी पाठ्यक्रम समाज में चल रहे धर्म, साहित्य, भाषा, दर्शन, रहने का ढंग तथा व्यवहार के आधार पर ही निर्धारित किया जाता है।

(4) धार्मिक स्थिति (Religious Condition)

(i) एक धर्म (Single Religion)—समाज में एक धर्म के लोग होंगे तो केवल उसी धर्म-विशेष के वर्ग के लोगों को शिक्षा प्रदान की जाएगी।

(ii) अनेक धर्म (Multi Religion)—सभी धर्मों को मानने वाले लोगों को समान शिक्षा।

(5) राजनैतिक स्थिति (Political Condition)

(i) निरंकुश (Autocratic)—समाज में राजनैतिक स्थिति या ढाँचा निरंकुश है तो एक विशेष वर्ग के लिए शिक्षा की व्यवस्था होगी।

(ii) लोकतान्त्रिक (Democratic)—सभी वर्गों के लिये शिक्षा की व्यवस्था।

(6) आर्थिक स्थिति (Economical Condition)

(i) विकसित देशों में (Developed Countries)—सभी के लिए समान शिक्षा।

(ii) विकासशील देशों में (Developing Countries)—वर्ग-विशेषों के लिए उनके वर्गों के अनुसार शिक्षा।

(iii) अविकसित देशों में (Backward Countries)—शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं।